

Seat No. : _____

MA-14
Hindi Paper-III

Time : 3 Hours]

[Total Marks: 100

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. वक्रोक्ति की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके भेद बताइए । 20
अथवा
ध्वनि का स्वरूप उजागर करते हुए गुणीभूत व्यंग्य को सोदाहरण समझाइए ।
2. कॉलरिज के कल्पना सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए । 20
अथवा
ट्रेजेडी की परिभाषा देते हुए उसके लक्षण स्पष्ट कीजिए ।
3. रीतिकालीन काव्यशास्त्र की महत्ता स्पष्ट कीजिए । 20
अथवा
'आधुनिक हिन्दी आलोचना पर मुख्यतः पाश्चात्य साहित्य चिंतन का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है ।' इस कथन के आलोक में किन्हीं दो आलोचनात्मक प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए ।
4. निम्नलिखित लघु-प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 20
 - (1) केशवदास **अथवा** ब्रजभाषा पाठशाला 5
 - (2) विखंडनवाद **अथवा** अभिव्यंजनावाद 5
 - (3) काव्य हेतु **अथवा** काव्य के प्रकार 5
 - (4) 'तद्विदआह्लादकारित्त्व' **अथवा** 'विशिष्टो गुणात्या' 5
5. निम्नलिखित वस्तुगत प्रश्नों के उत्तर दीजिए — 20
 - (1) सुमेलित कीजिए :

पाठ	—	स्वच्छन्दतावाद
लेंगुई	—	आदर्शवाद
कल्पना विलास	—	विखंडनवाद
मृत्युबोध	—	संरचनावाद
		अस्तित्ववाद

- (2) सहजज्ञान का संबंध किससे है । [रहस्यवाद, छायावाद, मार्क्सवाद, अभिव्यंजनावाद]
- (3) 'गॉड इज़ डेड' किसकी उक्ति है । [सार्त्र, किर्केगार्ड, यास्पर्स, नीत्शे]
- (4) इनमें से कौन-सा उदात्त का अवरोधक तत्त्व नहीं है ? [शब्दाडंबर, भावाडंबर, बालिशता, बालेयता]
- (5) 'बरवै नायिका' _____ की रचना है । [रसखान, तुलसीदास, बिहारी, रहीम]
- (6) _____ से हिन्दी काव्यशास्त्र का आरंभ माना जाता है । [केशवदास, नंददास, कृपाराम, सूरदास]
- (7) सुमेलित कीजिए :
- | | | |
|--------------------------|---|-------------|
| द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद | : | वर्ड्स्वर्थ |
| काव्य में निर्वैयक्तिकता | : | मार्क्स |
| गौण कल्पना | : | इलीयट |
| संप्रेषण का सिद्धान्त | : | कॉलरिज |
| | : | रिचर्ड्स |
- (8) भारतेन्दु के आलोचना ग्रंथ का नाम बताइए ।
- (9) 'शृंगार निर्णय' किसकी रचना है ?
- (10) 'काव्य के रूप' किसका ग्रंथ है ?
- (11) 'तद्विदआह्लाद कारिणी' का संबंध औचित्य से है । [सही / गलत]
- (12) जुगुप्सा भयानक रस का स्थायी भाव है । [सही / गलत]
- (13) 'काव्यालंकार' दंडी के ग्रंथ का नाम है । [सही / गलत]
- (14) जिस काव्य में शृंगार आदि रसों का उदय स्पष्ट रूप से दिखाया गया हो उसे _____ अलंकार कहते हैं । [ऊर्जस्वी, प्रेयस, रसवत्, अर्थालंकार]
- (15) विभावादि के साधारणीकरण की बात सर्वप्रथम किसने कही ? [अभिनवगुप्त, भट्ट नायक, आनंदवर्द्धन, भट्ट तौत]
- (16) सभी अलंकारों का सामान्य तत्त्व क्या है ? [वक्रोक्ति, अतिशयोक्ति, लक्षणा, इनमें से कोई नहीं]
- (17) औचित्य के कितने स्थान हैं ?
- (18) 'काव्यालंकार सूत्रवृत्ति' किसकी रचना है ? [दंडी, कुन्तक, जगन्नाथ, वामन]
- (19) रीति के प्रमुख कितने भेद हैं ? [दो, तीन, पाँच, सात]
- (20) गुणों की संख्या मुख्यतः कितनी मानी जाती है ? [दस, पाँच, सात, तीन]

